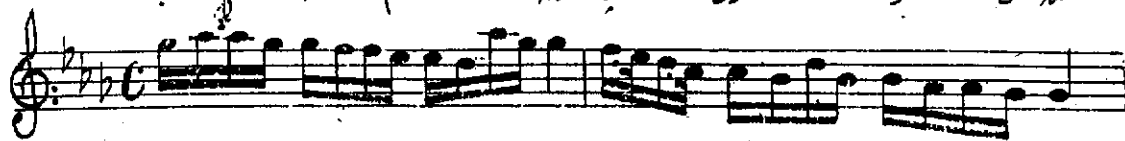


K. Hückler,

جغنا زكاً رُشقی

Ding

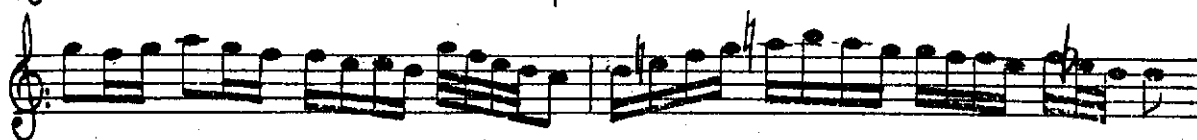
Bilman neden peri kuyumcu koyan onun adını



نی دی آ ن نو اد ۛ یا قر



ده - د نا آ م نری مری د س



لی	را	کہ	اد
----	----	----	----

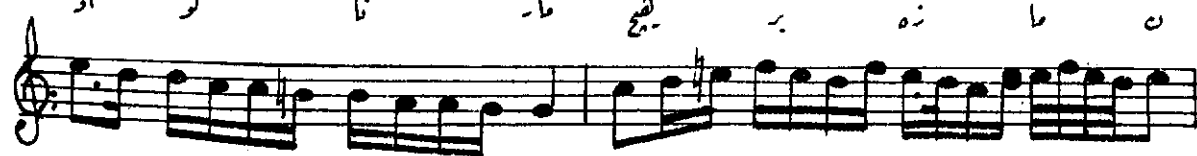


(میان)

۲	۳	۴	۵	۶	۷	۸	۹	۱۰	۱۱	۱۲	۱۳	۱۴	۱۵	۱۶	۱۷	۱۸	۱۹	۲۰	۲۱	۲۲	۲۳	۲۴	۲۵	۲۶	۲۷	۲۸	۲۹	۳۰	۳۱	۳۲	۳۳	۳۴	۳۵	۳۶	۳۷	۳۸	۳۹	۴۰	۴۱	۴۲	۴۳	۴۴	۴۵	۴۶	۴۷	۴۸	۴۹	۵۰	۵۱	۵۲	۵۳	۵۴	۵۵	۵۶	۵۷	۵۸	۵۹	۶۰	۶۱	۶۲	۶۳	۶۴	۶۵	۶۶	۶۷	۶۸	۶۹	۷۰	۷۱	۷۲	۷۳	۷۴	۷۵	۷۶	۷۷	۷۸	۷۹	۸۰	۸۱	۸۲	۸۳	۸۴	۸۵	۸۶	۸۷	۸۸	۸۹	۹۰	۹۱	۹۲	۹۳	۹۴	۹۵	۹۶	۹۷	۹۸	۹۹	۱۰۰
---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----



ع ما زه بر صبح ما- نا نو او



ری ری فی ری ری





bilmem neden piri Kaymus Kayan onun aalem
 sevdi gönlüm aularda o edile kade me
 onu seven unutamaz hiç bir zaman yad me
 maharet
 sevdi gönlüm —————
 dilin yeşil sularında hayalini sezerim
 gamliklarda onu bulmak ümmidiyle gezerim
 evlatımı görür görmez henliğimden gecerim
 maharet
 sevdi gönlüm —————
 دیک ییسی صولنده خیاالی سیر دم
 بهامقده اونی بولم اییدیه کز دم
 انداسنی کورر کورمز بیلکدن کچر دم
 فقرات
 سوری کوکلم آله لوده اودالا قادی